CLASS: 3
SUBJECT : HINDI)
CHAPTER NAME & NO) पाठ - 14 बगीचे का घोंघा

SUB –TOPIC- रोचक बातें, शब्दार्थ तथा मौखिक प्रश्न उत्तर

ODM
EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

ODM EDUCATIONAL GROUP

चिंतन-मनन

हम जहाँ रहते हैं, उसके अलावा भी ऐसी बहुत-सी चीज़ें हैं, जिनके बारे में हम नहीं जानते। उन्हें जानने के लिए हमें उस दुनिया को देखना पड़ेगा। बाहर से देखने पर वह दुनिया हमें आश्चर्यचकित कर देगी।

बहुत समय पहले की बात है। एक बगीचे में एक घोंघा रहता था। जानते हैं घोंघा कैसा होता है?

बगीचा बहुत छोटा और सुंदर था। घोंघे ने अपनी सारी ज़िंदगी उसी बगीचे में बिताई थी। जितने धीमे-धीमे वह चलता था, उसे बगीचे के एक छोर से

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

दूसरे छोर तक पहुँचने में पूरे दो दिन लगते थे। इतने समय तक वहाँ रहने की वजह से घोंघा बगीचे का कोना-कोना पहचान गया था। पर कभी-कभी घोंघे को लगता, इस बगीचे के बाहर क्या होगा? कैसी होती होगी बाहर की दुनिया?

बगीचे की दीवार में एक छेद था। घोंघा रोज़ उस छेद को देखता। उसे याद आता कि उसकी माँ उससे कहा करती थीं, "अगर तुमने ज़्यादा बदमाशी की तो मैं तुम्हें इस छेद से बाहर की दुनिया में धकेल दूँगी।"

घोंघा कुछ और दिन सोचता रहा, फिर उसने तय कर लिया, "मैं बाहर जाकर देखूँगा कि दुनिया कैसी है।"

यह सोचकर उसने अपना सामान अपने शंख में बाँध लिया। अगले दिन सूरज निकलने के पहले ही घोंघा निकल पड़ा। बगीचा पीछे छोड़ दिया। शायद हमेशा के लिए।

घोंघा छेद में घुसा और जल्दी ही बाहर निकल आया। बाहर आते ही घोंघा चकित रह गया। जितनी दूर तक उसकी आँखें देख सकती थीं उसके सामने बहुत बड़ा, लंबा चौड़ा-सा मैदान था।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

वास्तव में वह बच्चों के खेलने की जगह थी। पर घोंघे ने तो सोचा ही नहीं था कि इतनी बड़ी जगह भी हो सकती है। "वाह! दुनिया सचमुच कितनी बड़ी है," घोंघे ने कहा।

उसी समय खड़-खड़ की आवाज़ आई। घोंघे को लगा कि पूरा आकाश ढँक गया है। वह डर के मारे ज़ोर से चिल्लाया, "उई!" फिर वह अपने ऊपर हँसने लगा। उसने देखा कि एक सूखा पत्ता उसके ऊपर आ गिरा था। "वाह, दुनिया तो कितनी मज़ेदार जगह है" घोंघे ने कहा। वह उस सूखी-भूरी पत्ती के नीचे से बाहर निकल गया।

शब्दार्थ–दुनिया–संसार (world), शंख–आवरण (shell)

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

थोड़ा आगे एक बड़ा-सा पत्थर पड़ा हुआ था। घोंघे को लगा यह ज़रूर कोई पहाड़ होगा। वह झट-से उस पर चढ़ गया और दुनिया के नज़ारे देखने लगा।

घोंघे ने अपनी ज़िंदगी में पहली बार लाल चींटों को देखा। वे अपने लंबे-पतले पाँवों से तेज़ी से इधर-उधर आ-जा रहे थे। उसने देखा कि एक गिलहरी फुदक-फुदककर तेज़ी से एक पेड़ पर चढ़ गई। उसने देखा कि दूर एक गेंद लुढ़कती हुई जा रही है और एक कुत्ता ज़ोर से उसके पीछे भाग रहा है। "वाह, दुनिया में सब कुछ कितनी तेज़ी से चलता है" घोंघे ने

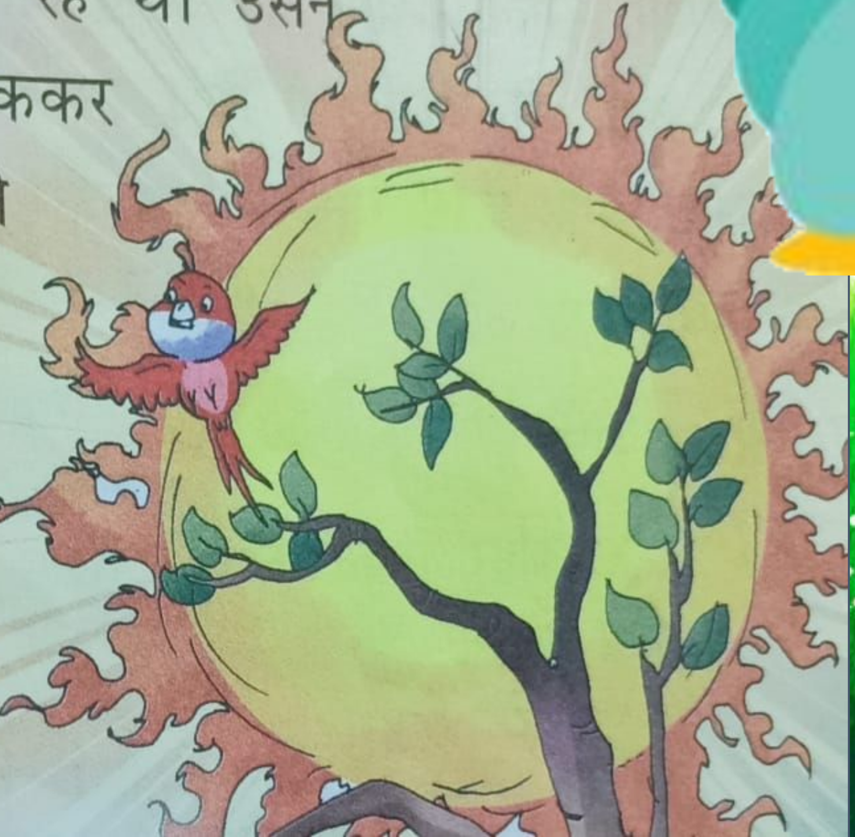

कितनी तेज़ी से चलता है" घोंघे ने कहा।

"बगीचे में तो सब कुछ धीरे-धीरे चलता था, मेरे जैसे।"

तभी अचानक उसने एक ऐसी चीज़ देखी जिससे उसका सर चकरा गया। अभी तक तो घोंघे ने पौधे या छोटे पेड़ ही देखे थे। पर यहाँ पर तो एक ऐसा लंबा

शब्दार्थ–नज़ारे–दृश्य (scene, view)

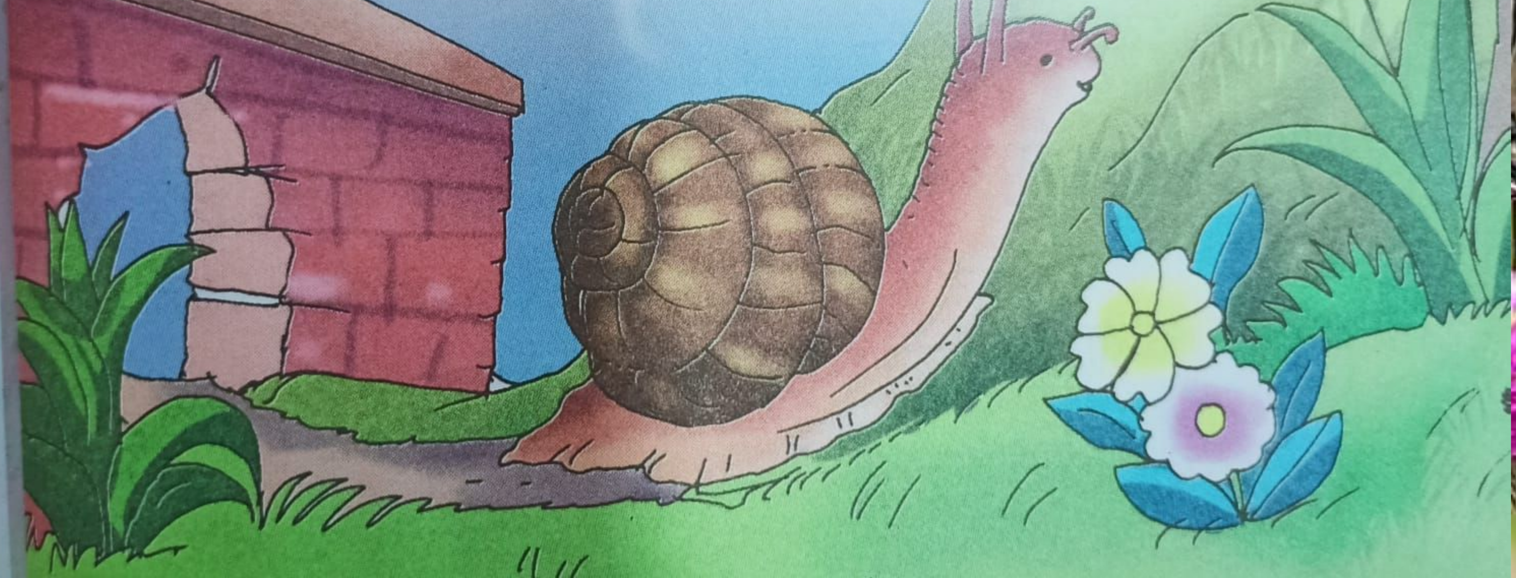

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

पेड़ था जो पूरे आसमान तक जाता था। बेचारे घोंघे ने कभी खजूर का पेड़ नहीं देखा था।

वहाँ एक और पेड़ था जो इतना बड़ा था कि घोंघा उसके एक छोर से दूसरे छोर तक भी नहीं देख पाता था। बड़ के पेड़ से जो उसका पाला पड़ गया था, इसलिए। घोंघे की आँखें आश्चर्य से और भी खुल गईं। फिर थोड़ी और, और भी चौड़ी हो गईं। उसने कहा, “वाह, सचमुच दुनिया कितनी अद्भुत जगह है।” घोंघे ने तय कर लिया कि अब तो वह इस दुनिया में ही रहेगा।

जीवन-सूत्र

- घर से बाहर निकलकर ही संसार की विविधताओं को जाना-समझा जा सकता है।

रोचक बातें

EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- हमारी यह सुंदर सी दुनिया बहुत अनोखी तथा आश्चर्यजनक है
- घोंघा शाकाहारी तथा मांसाहारी दोनों होते हैं ।
- घोंघे का जीवनकाल लगभग 5 से 10 साल तक काही होता है|
- घोंघा प्राणी दुनिया के सबसे धीमी गति से चलने वाले जीवो में से एक है|

शब्दार्थ

१. दुनिया – संसार
२. आश्चर्यचकित – हैरान हो जाना
३. धीमे – धीमे – धीरे-धीरे
४. छोर – एक कोने से दूसरे कोने तक
५. छेद – सूराख़, बिल
६. तय करना – निश्चय करना
७. शंख – एक खोल
८. वास्तव में - सही मायने में
९. नज़ारे – दृश्य
१०. फुदकना – कूदना
११. अद्‍भुत – अनोखा

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

मौखिक प्रश्न उत्तर –

प्रश्न – घोंघा कहाँ रहता था?

उत्तर – घोंघा एक बगीचे में रहता था।

प्रश्न – बगीचा कैसा था?

उत्तर – बगीचा बहुत छोटा तथा सुंदर था।

प्रश्न – घोंघा क्या सोचता रहता था?

उत्तर – घोंघा बाहर की दुनिया के बारे में सोचता रहता था।

गृह कार्य

बगीचे का घोंघा पाठ का पठन अभ्यास करें।

अध्ययन के परिणाम

- पठन तथा लेखन कौशल का विकास अच्छे से हो पाना
- शुद्ध उच्चारण की जानकारी पाना

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP